हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

12 ग्राम पंचायतों को बांटी कचरा रिक्शा घटिया, शिकायत...



12 नौसेना की पूर्व अधिकारी ने सुनाए रोमांचक अनुभव...



भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

नवरात्रि विशेष



पंचमी: स्कंदमाता

देवी मां का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता का है। स्कंदमाता को ही महेश्वरी, गौरी और पार्वती कहते हैं। भगवान स्कंदजी बालरुप में इन्हीं के गोद में विराजते हैं। सौभाग्य की देवी स्कंदमाता असुरों का दमन करने वाली और परम वैभवशाली है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांति से संपन्न हो जाता है। कथा है कि एक बार असुर तारकासुर ने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से अक्षत जीवन का वर ले लिया था। ब्रह्माजी ने वरदान तो दे दिया पर कहा कि आना-जाना तो इस सृष्टि का नियम है। इससे कोई नहीं बच सकता। इस पर धूर्त तारकासुर ने वर मांगा कि उनकी मौत हो तो सिर्फ शिवजी के पुत्र के हाथों। ब्रह्माजी ने भी तथास्तु कह दिया। अब तारकासुर निरंकुश हो गया। उसने सोचा न तो शिव कभी विवाह करेंगे और उसकी मौत होगी। तारकासुर ने ऐसा उत्पात मचाया कि सारा संसार त्राहि-त्राहि कर उठा। देवगण शिवजी की शरण में पहुंचे और सार व्यथा-कथा कह सुनाई। उनके काफी अनुनय-विनय सदाशिव ने साकार रुप धारण कर पार्वतीजी से विवाह रचाया। कालांतर में शिव-पार्वती कार्तिकेय या स्कंदकुमार ने तारकासुर को यमलोक पहुंचाया। स्कंदमाता के स्वरुप के साथ ही माता और पुत्र संबंध की नींव पड़ी। पांचवे नवरात्र को इन्ही स्कंदमाता की पूजा होती है। शास्त्रों में पांचवे नवरात्रि को पुष्कल का महत्व बताया गया है। स्कंदमाता की चार भुजाएं है। इनका वर्ण शुभ्र है। स्कंदमाता की आराधना के समय साधक मन विशुद्ध चक्र में अवस्थित रहता है। स्कंदमाता की पूजा करने वाले भक्तों का मन सांसारिक मोहमाया की आरधना का मंत्र है- नित्यं पद्माश्रितकरद्वया। शुभ्रदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।

रतनजोत के बीज खाने से स्कूली बच्चों की तबीयत बिगड़ी, 7 का उपचार जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजुर

- खेल-खेल में बच्चों ने खाए बीज
- उल्टियां शुरू होने पर परिजनों में मची अफरा-तफरी
- इलाज के बाद सभी खतरे से बाहर

खेल-खेल में की गई एक छोटी सी लापरवाही सात मासूम बच्चों की जान पर भारी पड़ सकती थी। मटोली प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले सात बच्चों ने स्कूल परिसर के आसपास लगे रतनजोत के पौधे से बीज तोड़कर खा लिए। घर पहुंचने के बाद बच्चों को उल्टियां होने लगीं और उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। बच्चों की हालत देखकर परिजन घबरा गए और आनन-फानन में सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। समय पर उपचार मिलने से बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह है कि इलाज के बाद सभी सात बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार मटोली प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले बच्चे स्कूल परिसर के आसपास खेल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वहां लगे रतनजोत के पौधे से बीज तोड़ लिए और खेल-खेल में उन्हें खा लिया। उस समय बच्चों को इन बीजों के जहरीले होने का अंदाजा नहीं था। स्कूल से घर पहुंचने के कुछ समय बाद बच्चों को उल्टियां होने लगीं और उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। अचानक एक साथ कई बच्चों की तबीयत खराब होने

▶▶| शेष पेज 10 पर

बीएमओ ने कहा- सभी बच्चों की हालत स्थिर

इस मामले में बीएमओ डॉ. संजीव वैष्णव ने बताया कि रतनजोत के बीज खाने के बाद उल्टियों की शिकायत लेकर कुल सात बच्चे अस्पताल पहुंचे थे। सभी को तत्काल भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। फिलहाल सभी बच्चे ठीक हैं और उनकी तबीयत स्थिर है।

छः से नौ वर्ष तक के बच्चे प्रभावित



रतनजोत के बीज खाने से प्रभावित बच्चों में देवेन्द्र मरकाम (8 वर्ष), भावेश मरकाम (7 वर्ष), ललित टेकाम (7 वर्ष), तनीषा मरकाम (6 वर्ष), कोमल टेकाम (9 वर्ष), युवराज टेकाम (7 वर्ष) और जतिन मरकाम (6 वर्ष) शामिल हैं। सभी बच्चे प्राथमिक स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। कम उम्र के बच्चों द्वारा अनजान पौधों के बीज खाने की इस घटना ने स्कूल परिसर और आसपास मौजूद जहरीले पौधों को लेकर सतर्कता की जरूरत को सामने ला दिया है।

प्रबंधन की लापरवाही पर उठे सवाल

रतनजोत के जहरीले बीज खाने से सात बच्चों की तबीयत बिगड़ने की घटना ने स्कूल प्रबंधन की सतर्कता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल परिसर के आसपास लगे पौधों की पहचान और बच्चों की सुरक्षा को लेकर क्या पर्याप्त सावधानी बरती जा रही थी, यह जांच का विषय है। आखिर बच्चे स्कूल परिसर में खेलते हुए जहरीले बीजों तक कैसे पहुंचे? इस घटना ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की जरूरत उजागर की है।

चेमल माइंस में 3 वाहनों को आग लगाने के मामले में पुलिस की छानबीन अंतिम चरण में

चेमल माइंस वाहन आगजनी मामले में मिला अहम सुराग, खुलासा अतिशीघ्र

चेमल माइंस में तीन वाहनों को आग लगाने की घटना के मामले में पुलिस को अहम इनपुट मिले हैं। जांच में सामने आई नई जानकारियों के आधार पर वारदात में शामिल लोगों की पहचान को लेकर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस घटना में बुदेली और एड़गुड़ क्षेत्र के कुछ लोगों की संलिप्तता सामने आई है।

- बुदेली-एड़गुड़ के लोगों की संलिप्तता की पुष्टि
- आगजनी मामले में आज आरोपियों के चेहरों का हो सकता है खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि पुलिस आज इस मामले में शामिल लोगों के नाम और चेहरे उजागर कर सकती है। हालांकि आरोपियों की पहचान, उनकी भूमिका और गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। विदित हो कि चेमल माइंस में तीन मशीनों को आग लगाने की घटना 5 अक्टूबर 2026 की देर रात की है। जानकारी के अनुसार 5 अक्टूबर को काम समाप्त होने के बाद ऑपरेटर अपनी-अपनी मशीनों को खड़ा करके वहां से चले गए थे। उस समय माइंस में कामकाज समाप्त होने के बाद स्थिति सामान्य थी, लेकिन देर रात अज्ञात लोगों ने वहां खड़ी तीन मशीनों को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद माइंस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े

▶▶| शेष पेज 10 पर

घटनास्थल पर लाल रंग से लिखे मिले थे पर्चे

इस घटना में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया था। घटनास्थल पर नक्सलियों की शैली में लाल रंग से लिखे पर्चे फेंके गए थे। पर्चों की मौजूदगी के कारण घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। हालांकि इन पर्चों पर क्या लिखा था, उनका उद्देश्य क्या था और आगजनी की घटना से उनका क्या संबंध है, इसकी पुष्टि जांच से जुड़े तथ्यों के आधार पर ही हो सकेगी। पुलिस के लिए यह पता लगाना भी महत्वपूर्ण है कि वारदात को अंजाम देने वालों ने किस उद्देश्य से इस तरह के पर्चे फेंके थे।



पर्चों में पांच दिन का अल्टीमेटम, पेमेंट और 'लाल सलाम जिंदाबाद' का उल्लेख

पुष्प स्टील माइंस में देर रात आगजनी

तीन चेन माउंटेन मशीनें जलकर खाक

आज खुल सकते हैं कई राज

पुलिस को मिले नए इनपुट के बाद चेमल माइंस आगजनी मामले में खुलासे की संभावना बढ़ गई है। माना जा रहा है कि जांच में जुटाए गए तथ्यों का सत्यापन पूरा होने पर पुलिस घटना में शामिल लोगों की पहचान सार्वजनिक कर सकती है। इसके साथ ही वारदात के पीछे के कारण, आरोपियों की भूमिका और घटना को अंजाम देने के तरीके से संबंधित जानकारियां भी सामने आ सकती हैं।

पुलिस को मिले महत्वपूर्ण सुराग

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विभिन्न पहलुओं पर जांच शुरू की। वारदात को अंजाम देने वालों की पहचान करने, घटना के पीछे की वजह का पता लगाने और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों को जोड़ने के लिए जानकारियां जुटाई गईं। शुरुआती दौर में अज्ञात लोगों तक पहुंचना पुलिस के सामने चुनौती थी, लेकिन अब मामले में बेहतर इनपुट मिलने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर बुदेली और एड़गुड़ क्षेत्र के कुछ लोगों की भूमिका सामने आई है। इन जानकारियों के आधार पर पुलिस संदिग्धों की संलिप्तता से जुड़े तथ्यों का सत्यापन कर रही है। हालांकि, किन लोगों ने वास्तव में आगजनी की घटना को अंजाम दिया और उनकी क्या भूमिका रही, इसकी विस्तृत जानकारी पुलिस के आधिकारिक खुलासे के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

सीडीआर सॉफ्टवेयर के उपयोग के प्रशिक्षण से पुलिस हुई और अपडेट

सीडीआर सॉफ्टवेयर के उपयोग पर प्रशिक्षण



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अपराधों की विवेचना को अधिक प्रभावी और सटीक बनाने के लिए कांकेर पुलिस आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में प्रोजेक्ट दक्ष के तहत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से सीडीआर सॉफ्टवेयर के उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महत्वपूर्ण तथ्यों की पहचान करने की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक

▶▶| शेष पेज 10 पर

साइबर अपराधों की विवेचना होगी प्रभावी

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों की तकनीकी समझ विकसित करना और साइबर अपराधों सहित अन्य आपराधिक मामलों की जांच की गुणवत्ता में सुधार लाना रहा। कार्यक्रम में विभिन्न थानों के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ साइबर सेल की टीम ने भी सहभागिता की। प्रोजेक्ट दक्ष के माध्यम से कांकेर पुलिस द्वारा पुलिस कार्यप्रणाली को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करने और आधुनिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से विवेचना में तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण की क्षमता बढ़ाने तथा अपराधों के अनुसंधान को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण पर जोर

प्रशिक्षण के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण करने, उपलब्ध तकनीकी डेटा से महत्वपूर्ण तथ्यों की पहचान करने तथा आपराधिक मामलों की विवेचना में तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग करने की जानकारी दी गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया गया कि आधुनिक तकनीकी संसाधनों की मदद से विवेचना को अधिक तथ्यपरक और सटीक बनाने में सहायता मिल सकती है।

खबर संक्षेप

किशनपुरी में आज से राज्यस्तरीय मानस गान

कोरर। ग्राम किशनपुरी कोरर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर आज 15 से 17 अक्टूबर तक राज्यस्तरीय मानस गान सम्मेलन एवं धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ 15 अक्टूबर को सुबह 9 बजे होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांकेर सांसद भोजराज नाग शामिल होंगे, जबकि अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच दुर्गा प्रसाद रावटे करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व सांसद मोहन मंडावी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाटिया, जिलाध्यक्ष महेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

गाली देने से मना करने पर महिला से मारपीट की



कांकेर। सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज करने से मना करना एक प्रधान पाठिका को भारी पड़ गया। युवक ने महिला के साथ मारपीट करते हुए उनके बाल खींचकर जमीन पर पटक दिया और जान से मारने की धमकी दी। घटना में महिला के बाएं पैर में घुटने के पास चोट आई है। थाना अंतागढ़ पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार ग्राम पोड़गांव निवासी 45 वर्षीय हेमेश्वरी बघेल प्राथमिक शाला मारीपारा पोड़गांव, अंतागढ़ में प्रधान पाठिका के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 13 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे वह घर से टहलने के लिए निकली थीं। इसी दौरान पानी टंकी के पास आर्यन पासवान उनके पीछे आने लगा और सार्वजनिक सड़क पर गाली-गलौज करने लगा। जब युवक को गाली देने से मना किया तो उसने कथित तौर पर अचानक उन पर हमला कर दिया। आरोपी ने उनके बाल खींचकर जमीन पर पटक दिया और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा।

फसल बीमा की राशि दिलाने के बदले मांगी 75 प्रतिशत रिश्वत

20 हजार का रिश्वत लेते दो कृषि विस्तार अधिकारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

किसान की खराब फसल के बीमा की राशि दिलाने के बदले रिश्वत मांगने के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) जगदलपुर की टीम ने आमाबेड़ा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किसान से 90 हजार रुपए की बीमा राशि निकलवाने के एवज में कुल बीमा राशि का 75 प्रतिशत हिस्सा रिश्वत के रूप में मांगा था। बुधवार 14 अक्टूबर को एसीबी की टीम ने ट्रैप कार्रवाई कर

▶▶| शेष पेज 10 पर

भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई

एसीबी ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश गया है।





शिकायत के सत्यापन के बाद बिछाया जाल

किसान रिश्वत देने के बजाय दोनों अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था। इसके लिए उसने एसीबी में शिकायत की। शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसीबी की टीम ने 14 अक्टूबर को योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुंदर लाल बच्चड़ और प्रवीण उर्फ रिंकू चंद्राकर को किसान से पहली किस्त के रूप में 20 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दादी से मजाक करने की बात पर युवक से मारपीट

कांकेर। दादी के साथ मजाक करने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम चिलपरस नयापारा की है। पीड़ित युवक ने गांव के ही एक व्यक्ति पर गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्के और लात से मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट में युवक की आंख के नीचे चोट आई है और सूजन के साथ खून जम गया। थाना कोयलीबेड़ा में शिकायत करने पहुंचे ग्राम चिलपरस नयापारा निवासी 30 वर्षीय सुरेश कुमार कड़ियाम पिता बालसिंग कड़ियाम ने पुलिस को बताया कि 13 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे वह अपनी दादी और भाभी के साथ घर के पास आग ताप रहा था।

घर के पोर्च में खड़ी बाइक व स्कूटी को अज्ञात व्यक्ति ने लगाई आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

थाना कोरर क्षेत्र के ग्राम तेलावट बांधापारा में घर के पोर्च में खड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटी को अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगाने का मामला सामने आया है। घटना में दोनों वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। वाहन मालिक रूपेश सलाम ने दोनों गाड़ियों की अनुमानित कीमत करीब 95 हजार रुपये बताई है। प्रार्थी की शिकायत पर कोरर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम तेलावट बांधापारा निवासी 56 वर्षीय रूपेश सलाम



पिता स्व. नारायण सलाम ने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी के नाम पर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 19 बीडबल्यू 1538 और बेटी पूर्णिमा सलाम के नाम पर एक्टिवा स्कूटी क्रमांक सीजी 21 जे 1765 खरीदी थी। प्रतिदिन की तरह 12 अक्टूबर की शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच उन्होंने दोनों वाहनों को घर के पोर्च में खड़ा किया और उनकी चाबियां अपने पास रखकर परिवार के साथ भोजन करने के बाद सो गए।

रात करीब ढाई बजे वे बाथरूम जाने के लिए उठे। इसी दौरान घर में लगी फाइबर कांच की खिड़की टूटने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वे बाहर निकले तो पोर्च में खड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटी में आग लगी हुई थी। उन्होंने तत्काल आसपास के पड़ोसियों को आवाज देकर बुलाया। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से आग बुझाई गई। हालांकि, आग लगने से दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो

▶▶| शेष पेज 10 पर

लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार बना मानवता की मिसाल

164 लाश की अंत्येष्टि जन सहयोग की मानव सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अपनों का साथ छूट जाने के बाद दुनिया से विदा होने वाले उन लोगों को भी सम्मानजनक अंतिम विदाई मिलनी चाहिए, जिनकी पहचान तक किसी को मालूम नहीं होती। इसी मानवीय संवेदना और सेवा भावना की मिसाल पेश करते हुए कांकेर की सामाजिक संस्था जन सहयोग ने एक और लावारिस शव का विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार कराया। संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में यह 164वीं लावारिस लाश की अंत्येष्टि है। पिछले 20 वर्षों से वे इस पुनीत कार्य के माध्यम से उन अज्ञात मृतकों को सम्मानजनक विदाई दे रहे हैं, जिनका कोई अपना सामने नहीं आता।

विगत दिनों गोविंद मरकाम पिता श्रवण मरकाम ने शासकीय जिला कोमल देव अस्पताल के मेमो के माध्यम से थाना कांकेर में एक अज्ञात शव की सूचना दी थी। सूचना के आधार पर थाना कांकेर में मर्ग दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात मृतक के शव को मरचुरी गृह में सुरक्षित रखवाकर उसकी पहचान, नाम-पता और परिजनों की तलाश की। हालांकि काफी प्रयासों के बावजूद मृतक के संबंध में कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद थाना प्रभारी द्वारा सामाजिक संस्था जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी को पत्र लिखकर शव के अंतिम संस्कार में सहयोग का अनुरोध किया गया। संस्था ने मानवीय जिम्मेदारी निभाते हुए पुलिस और प्रशासन के सहयोग से अज्ञात मृतक की अंत्येष्टि कराई।

इस पुनीत कार्य में जन सहयोग संस्था के सदस्यों के साथ नायब तहसीलदार सेवक राम, सहायक उप निरीक्षक भीखम साहू, आरक्षक सेवक कवाडे, तुलसीराम मडावी, अखिलेश साहू तथा मां केसरी एंबुलेंस वाहन के चालक ने भी सहयोग प्रदान किया।

दो दशक से निभा रहे मानवता का धर्म

उल्लेखनीय है कि अजय पप्पू मोटवानी अपनी संस्था जन सहयोग के माध्यम से पिछले 20 वर्षों से कांकेर जिले में लावारिस शवों का विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार करते आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पुलिस के अनुरोध पर कई अज्ञात शवों, जिनमें नक्सलवादियों के शव भी शामिल रहे हैं, की अंत्येष्टि कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया है। उनकी इस निरंतर समाजसेवा के कारण अजय पप्पू मोटवानी और उनकी संस्था जन सहयोग को देश-प्रदेश में पहचान मिली है। इस कार्य के लिए उन्हें अनेक महत्वपूर्ण सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

पुलिस-प्रशासन का मिला सहयोग सम्मानजनक 20 वर्षों से अज्ञात शवों का किया जा रहा अंतिमसंस्कार



तीन गांजा तस्करों को 15-15 साल के कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

गांजा तस्करी के मामले में न्यायालय ने सख्त फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों को 15-15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों के कब्जे से 55 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया था। मामले की सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश विभा पांडे ने राजेश राजपूत, निलेश शर्मा और पवन पाल को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। तीनों आरोपियों पर डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर उन्हें दो-दो साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

गांजा तस्करी के इस मामले में सजा पाने वाले तीनों आरोपी मध्यप्रदेश के सीहोर और रायसेन जिले के निवासी हैं। आरोपियों के पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद होने के बाद मामला न्यायालय पहुंचा था। सुनवाई के दौरान प्रकरण से जुड़े तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी मानते हुए कठोर कारावास की सजा सुनाई।



तस्करी के मामलों में सख्त रुख

55 किलो 700 ग्राम गांजे की बरामदगी से जुड़े इस मामले में न्यायालय का फैसला मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाता है। तीनों आरोपियों को 15-15 साल की कठोर कैद के साथ डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का अर्थदंड भी भुगतना होगा। जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में दो-दो साल की अतिरिक्त सजा का प्रावधान किया गया है।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बड़े बचेली द्वारा डीएवी स्कूल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पुनर्चक्रण तथा स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को घर, विद्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने और कचरे का उचित निपटान करने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पालिका परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से परिवार एवं समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

जल संरक्षण व सुरक्षित पेयजल पहुंचाने का लिया संकल्प

गीदम। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड गीदम की ग्राम पंचायत हिड़पाल में जनभागीदारी के साथ जल अर्पण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, महिलाओं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता कर जल संरक्षण और प्रत्येक परिवार तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल जीवन मिशन के उद्देश्यों, नल-जल योजनाओं के नियमित संचालन एवं संधारण तथा पेयजल की स्वच्छता के संबंध में जागरूक किया गया। जल सभा में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से नल जल मित्र का चयन किया और उन्हें योजना के सुचारु संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। नल जल मित्र ने भी सेवा भाव और कर्मठता के साथ अपने गांव में पेयजल व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने जल स्रोतों के संरक्षण, पानी के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पेयजल को स्वच्छ रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

होममेड अगरबत्ती निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण शुरू

जगदलपुर। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं को स्वावलंबन तथा स्वरोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक द्वारा आड़ावाल में संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में बेसिक ऑफ होम मेड अगरबत्ती निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 4 अक्टूबर से शुरू हुए इस विशेष प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को अगरबत्ती निर्माण से जुड़े हर तकनीकी और व्यावहारिक पहलू में दक्ष बनाया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली अगरबत्ती तैयार करने, विभिन्न प्रकार के मनमोहक सुगंधित मिश्रण (परफ्यूम ब्लेंडिंग) बनाने, आकर्षक पैकेजिंग और तैयार उत्पाद के सफल विपणन (मार्केटिंग) की समग्र जानकारी दी जा रही है। संस्थान द्वारा प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रशिक्षण काल में भोजन, आवासीय व्यवस्था तथा आवश्यक शिक्षण सामग्री पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे दूर-दराज के प्रतिभागी बिना किसी आर्थिक चिंता के अपना कौशल निखार सकें। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर सभी अभ्यर्थियों को मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

आकर्षक पंडालों में विराजीं मां दुर्गा...


जगदलपुर। मा दुर्गा चौक।


जगदलपुर। पावर हाउस चौक।


जगदलपुर। सांवरा पारा कुम्हारपारा।


जगदलपुर। बहादुरगुडा दुर्गोत्सव समिति गंगामुण्डा।


जगदलपुर। भैरमगुड़ी दुर्गोत्सव समिति गंगामुण्डा।

बाढ़ से फसलों और मकानों के नुकसान पर धोबीगुड़ा के किसानों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

प्रति एकड़ 65 हजार रुपए मुआवजा और केसीसी कृषि ऋण माफ करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले की बकावंड तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत धोबीगुड़ा के बाढ़ प्रभावित किसानों ने फसलों और मकानों को हुए नुकसान के एवज में राहत राशि बढ़ाने की मांग को लेकर बस्तर सांसद को ज्ञापन सौंपा है। किसानों ने अतिवृष्टि और बाढ़ से हुए व्यापक नुकसान का हवाला देते हुए प्रभावित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता और राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

किसानों के अनुसार, इस वर्ष आई बाढ़ के कारण गांव में कई मकान ढह गए हैं। वहीं, लगभग 100 प्रतिशत कृषि रकबा पानी में डूबने से फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। खेतों में करीब छह दिनों तक बाढ़ का पानी भरे रहने से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों के सामने आजीविका



और आगामी कृषि कार्यों को लेकर गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

मुआवजा राशि को बताया अपर्याप्त

किसानों ने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा किए गए सर्वे के बाद प्रति हेक्टेयर 8 हजार रुपये मुआवजा दिए जाने की जानकारी मिली है, जो बाढ़ से हुए नुकसान की तुलना में बेहद अपर्याप्त है। ज्ञापन में किसानों ने प्रति एकड़ 65 हजार रुपये मुआवजा देने, केसीसी कृषि ऋण माफ करने तथा आगामी रबी फसल के लिए निःशुल्क खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। ग्रामीणों ने सांसद से आग्रह किया है कि उनकी मांगों को राज्य शासन तक पहुंचाकर न्याय दिलाया जाए।

खेल टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- ग्राम चपका में कबड्डी प्रतियोगिता शुरू, मंत्री केदार ने किया शुभारंभ

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम चपका में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक एवं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, साहस और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। ग्रामीण अंचलों में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और अपनी क्षमता साबित करने का अवसर प्रदान करती हैं। युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। कबड्डी जैसे पारंपरिक भारतीय खेल हमारी समृद्ध खेल संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से क्षेत्र का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान, प्रवीण सांखला, उमाकांत कश्यप सहित अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, कार्यकर्ता, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

तीसरे मोर्चे के गठन की पहल तेज जुटे विभिन्न दल और संगठन



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- 25 अक्टूबर को रायपुर में होगी महाबैठक, बस्तर के स्थानीय अधिकारों पर बनेगा साझा एजेंडा

छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस से अलग वैकल्पिक राजनीतिक मंच के गठन की कवायद तेज हो गई है। रायपुर की बैठक के बाद बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इसमें आगामी 25 अक्टूबर को रायपुर में प्रस्तावित बड़ी बैठक की तैयारी, साझा राजनीतिक एजेंडे और संगठनात्मक समन्वय पर चर्चा की गई।

बैठक में बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), आदिवासी महासभा, भारत मुक्ति मोर्चा, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे), भीम आर्मी तथा छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रतिनिधि शामिल हुए। नेताओं ने जल-जंगल-जमीन, पेसा एवं वनाधिकार कानून, स्थानीय रोजगार, और खनिज संपदा में स्थानीय भागीदारी जैसे मुद्दों पर संयुक्त संघर्ष की आवश्यकता पर जोर दिया। जनता कांग्रेस (जे) के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चांद और जितेंद्र बंजारे ने कहा कि इस मंच का उद्देश्य केवल चुनावी तालमेल नहीं, बल्कि जनता के वास्तविक सवालों को राजनीतिक एजेंडे में प्राथमिकता दिलाना है। आगामी बैठक में साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एसबीआई पेंशनर मीट में 80 वर्ष से अधिक उम्र के 20 वरिष्ठ पेंशनरों का शाल-श्रीफल से हुआ सम्मान

जगदलपुर। बैंक के प्रावधानों के तहत हित लाभ दिलाते हुए पेंशनरों को सुरक्षित जीवन के प्रति सजग करना हमारा लक्ष्य है। पेंशनरों को अपने भावी जीवन के प्रति सजग होते हुए बैंक की योजनाओं का लाभ जरूर उठाना चाहिए। उक्त बातें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने एक निजी होटल में आयोजित पेंशनर मीट के दौरान कहीं।

कुमार ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दौर में इंसान अपनी सुविधा के लिए 25 लाख की गाड़ी खरीद कर भविष्य की चिंता में 40 हजार का इंश्योरेंस कराने में पीछे नहीं रहता, किंतु करोड़ों की कीमत के अपने जीवन के प्रति कोई चिंता नहीं करता। यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक स्थिति है। जैसी चिंता आप अपनी गाड़ी के लिए कर रहे हैं, ठीक वैसी ही चिंता आपको अपने जीवन के प्रति भी करते हुए बैंक की हेल्थ इंश्योरेंस योजना का लाभ उठाना चाहिए। इस मौके पर 80 साल से ऊपर के लगभग 20 वरिष्ठ पेंशनरों को बैंक अधिकारियों द्वारा शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य शाखा के प्रबंधक आनंद खत्री, कलेक्ट्रेट शाखा के प्रबंधक श्यामानंद झा सहित भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित थे। यह जानकारी भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ बस्तर संभाग के संभागीय अध्यक्ष रामनारायण ताटी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

फूल रथ की दूसरी परिक्रमा पूरी.....



जगदलपुर। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के अंतर्गत बुधवार को फूल रथ परिक्रमा के दूसरे दिन पारंपरिक धार्मिक विधान के साथ पूरी हुई। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लोगों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ रथ खींचकर अपनी आस्था व्यक्त की।

एक शाम, किशोर के नाम, स्वराधना म्यूजिकल परिवार ने गीतों से दी श्रद्धांजलि

जगदलपुर। महान पार्श्वगायक किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर स्वराधना म्यूजिकल परिवार ने 'एक शाम, किशोर के नाम' संगीतमय संध्या का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत किशोर कुमार के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर कलाकारों और संगीत प्रेमियों ने हिंदी सिनेमा के महान गायक के योगदान को नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद गिरिजा गुप्ता, पूर्व पार्षद कौशिक शुक्ला, गर्ल्स पॉलीटेक्निक के प्राचार्य संजय त्रिवेदी, भोजपुरी समाज के संरक्षक रंजीत पांडे सहित अन्य अतिथियों ने शिरकत की। गर्ल्स पॉलीटेक्निक के प्राचार्य संजय त्रिवेदी ने किशोर कुमार के जीवन, उनके संघर्ष और संगीत जगत में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किशोर कुमार की बहुमुखी प्रतिभा, अनूठी शैली और भावनाओं को स्वर देने की अद्भुत क्षमता ने उन्हें अमर बना दिया है। कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह भदौरिया ने मार्गदर्शन किया। स्वराधना म्यूजिकल इवेंट्स परिवार के संयोजक नलिन शुक्ला ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे।

पेज 09 के शेष ...

रतनजोत के बीज खाने से स्कूली...

से परिवारों में चिंता बढ़ गई। परिजनों ने बिना देर किए बच्चों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया।

चेमल माइंस वाहन आगजनी...

हुए। अगले दिन 6 अक्टूबर की सुबह जब ऑपरेटर वापस काम पर पहुंचे, तो तीनों मशीनें जली हुई हालत में मिलीं। मशीनों की यह स्थिति देखकर मौके पर हड़कंप मच गया। इसके बाद घटना की जानकारी संबंधित पक्ष को दी गई और मामले की जांच शुरू हुई। एक ही स्थान पर खड़ी तीन मशीनों को आग लगाए जाने की घटना को गंभीरता से लिया गया। वारदात के पीछे किसका हाथ है और इसके पीछे क्या वजह रही, इसे लेकर शुरुआत से ही कई तरह के सवाल उठ रहे थे।

सीडीआर सॉफ्टवेयर के उपयोग...

निखिल राखेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में 13 अक्टूबर को पुलिस लाइन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मुंबई से पहुंचे विशेषज्ञ मनोज दुबे एवं केतन देसाई ने जिले के विभिन्न थानों से आए पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों और साइबर सेल की टीम को सीडीआर सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और उसके प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

20 हजार लेते दो कृषि...

पहली किस्त के रूप में 20 हजार रुपए लेते दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आमाबेड़ा तहसील के आलनार निवासी किसान सगाऊ राम कोमरा ने एंटी करप्शन ब्यूरो, जगदलपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण उर्फ रिंकू चंद्राकर और सुंदर लाल बच्चड़ द्वारा उसकी खराब फसल के बीमा प्रकरण को तैयार कर बीमा की 90 हजार रुपए की राशि निकलवाने के बदले कुल बीमा राशि का 75 प्रतिशत हिस्सा रिश्वत के रूप में मांगा जा रहा है।

घर के पोर्च में खड़ी बाइक...

गए। किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर दोनों वाहनों में आग लगाकर उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर प्रथम दृष्टया भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 324(4) एवं 326(एफ) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। फिलहाल आग लगाने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

कोप्पगुड़ा कैम्प में नवनिर्मित मंदिर में माता रानी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा व बैरकों का किया लोकार्पण

नक्सलियों की राजधानी में सीआरपीएफ का उत्सव, जवानों संग थिरके अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जनअदालत, खूनखराबा और लाल आतंक से मिली मुक्ति के बाद अब जवानों ने विकास का मोर्चा सम्भाल लिया है। बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र में कोप्पगुड़ा कैम्प को स्थापित हुए एक साल हो चुके हैं, इस अवसर पर कैम्प में नवनिर्मित मंदिर में माता रानी के प्रतिमा का प्राणप्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया था साथ ही जवानों के लिए निर्मित बैरकों का भी लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर कैम्प परिसर में सीआरपीएफ के डीआईजी बीएस नेगी और एसपी उमेश गुप्ता की मौजूदगी में वृक्षारोपण भी किया गया,साथ ही शाम को प्रांगण में ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जवानों के साथ अफसर भी लोकगीतों में थिरकते हुए नजर आए।

गौरतलब है कि कोप्पगुड़ा पीडिया इलाके का अंतिम कैम्प है जो इलाके को नक्सल मुक्त करने के लिए स्थापित किया गया था और सरकार की यह मंशा कामयाब भी हो गयी क्योंकि यह पूरा इलाका अब नक्सल मुक्त हो चुका है। अब यहां नक्सल आतंक के बजाय सड़क, पानी,और बिजली पहुंचने लगी है। मूलभूत सुविधाएं अब इलाके तक आसानी से पहुंच रही हैं इसके अलावा सालों से बन्द स्कूलें खुल चुकी हैं, बच्चो को स्कूल में ही



माध्याह्न भोजन मिलने लगा है जिसके कारण अब ग्रामीणों का जवानों पर विश्वास भी बढ़ने लगा है। यही वजह है कि बीमार होने पर ग्रामीण अब इलाज के लिए कैम्प तक पहुंचने लगे हैं।

वर्ष 1980 में नक्सलियों ने बस्तर में कदम रखा था तब उन्होंने गंगालूर के पीडिया इलाके को ही अपना सबसे सुरक्षित ठिकाना बनाया था और इसी इलाके में वे नए लड़ाकों की भर्ती किया करते थे और उन्हें ट्रेनिंग दिया करते थे और उसके बाद उन्हें अन्य इलाकों में संगठन विस्तार के लिए भेजा करते थे। तब से लेकर एक साल पहले तक गंगालूर और पीडिया इलाके को नक्सलियों की राजधानी कहा जाता था, इस इलाके में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन लॉन्च करने के लिए भी जवानों को माह भर पूर्व से ही रणनीति बनानी पड़ती थी।

चुनाव के दौरान हेलीकॉप्टर को बनाया था निशाना

इसी इलाके में पहली बार 2009 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान दल को लेकर उड़ान भर रहे सेना के एमआई 17 हेलीकॉप्टर को नक्सलियों ने निशाना बनाया था। इस हमले में फ्लाइट इंजीनियर मुस्तफा अली की शहादत हो गयी थी। हालांकि बाद मे हेलिकॉप्टर पर अपने 300 साथियों के साथ हमला करने वाले नक्सल दंपती ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिया था और बताया था कि उन्हें शीर्ष नक्सली कमांडरों ने आदेश दिया था कि हेलिकॉप्टर के फ्यूल टैंक पर हमला कर उसे जमीन पर गिराना है। पर वे उसमें कामयाब नही हो पाए थे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी कमांडर त्रिलोचन प्रसाद, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, एएसआई अवधेश साहनी एवं बड़ी संख्या में जवान मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पायल को व्हीलचेयर व बैसाखी से आसान होगी राह



दंतेवाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन को सुगम बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 11 अक्टूबर को कटेकल्याण निवासी अस्थिबाधित दिव्यांग पायल नाग, पिता मोहन नाग को एक व्हीलचेयर एवं एक जोड़ी बैसाखी प्रदान की गई। आवश्यक सहायक उपकरण मिलने से पायल नाग को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा दैनिक गतिविधियों को पूरा करने में सहायता प्राप्त होगी। व्हीलचेयर और बैसाखी उनके लिए केवल सहायक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इससे उनके जीवन में सहजता आएगी और दूसरों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग की यह पहल दिव्यांगजनों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने, उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक कदम है। अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांगजनों तक सहायता पहुंचाकर उनके जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है।

शिक्षिका को लाल वस्त्र और भवानी माला धारण कर स्कूल आने से रोकने का आरोप

मिशनरी स्कूल में धार्मिक पहनावे को लेकर विवाद, हिंदू समाज ने जताया कड़ा विरोध





हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

सुकमा जिले के कोंटा स्थित मदर टेरेसा ज्योति कॉन्वेंट स्कूल में एक शिक्षिका के धार्मिक पहनावे को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शारदीय नवरात्र के दौरान लाल वस्त्र और भवानी माला धारण कर विद्यालय पहुंचीं शिक्षिका लक्ष्मी प्रसन्ना को कथित तौर पर स्कूल आने से रोकने

■ प्रशासन की मौजूदगी में हुई चर्चा

का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद हिंदू समाज के लोगों ने स्कूल पहुंचकर कड़ा विरोध जताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा दोनों पक्षों से चर्चा कर शांति बनाए रखने की अपील की।

बसंत पंचमी पर अवकाश को लेकर भी उठे सवाल

विरोध के दौरान हिंदू समाज के लोगों ने विद्यालय की कार्यप्रणाली पर अन्य सवाल भी उठाए। उनका आरोप है कि बसंत पंचमी जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर विद्यालय बंद रखा जाता है, जबकि इस पर्व का शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व है। लोगों ने सवाल किया कि विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश विद्यार्थी हिंदू समुदाय से हैं, ऐसे में उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं का सम्मान क्यों नहीं किया जाता। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि संस्था में शिक्षा विभाग के लागू नियमों और शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा धार्मिक आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की शिकायत की निष्पक्ष जांच हो। कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर में देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित करने की मांग भी उठाई।

कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

विवाद के बाद हिंदू समाज के लोगों ने विद्यालय की विभिन्न कमियों और अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। इस संबंध में जिला कलेक्टर के नाम खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर संस्था की कार्यप्रणाली की जांच और आवश्यक सुधार कराने की मांग की गई है। वहीं, मंगलवार शाम को संस्था के उच्च पदाधिकारी फादर के समक्ष भी मामले को रखने और आगे की चर्चा करने की बात कही गई। फिलहाल, मामले में प्रशासनिक स्तर पर बातचीत और समाधान की कोशिशें जारी हैं। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग आरोपों की जांच कर क्या कदम उठाता है और शिक्षिका के इस्तीफे तथा धार्मिक पहनावे से जुड़े विवाद का किस प्रकार समाधान निकाला जाता है।

धार्मिक दीक्षा के वस्त्रों पर आपत्ति का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षिका लक्ष्मी प्रसन्ना पिछले करीब 15 वर्षों से उक्त संस्था में सेवाएं दे रही हैं। शारदीय नवरात्र के दौरान उन्होंने धार्मिक परंपरा के अनुसार लाल वस्त्र धारण किए थे। आरोप है कि विद्यालय के प्राचार्य ने उनके इस पहनावे पर आपत्ति जताते हुए लाल कपड़ों में स्कूल नहीं आने को कहा। शिक्षिका ने इसे धार्मिक दीक्षा का हिस्सा बताते हुए अपनी बात रखी, लेकिन विवाद बढ़ गया। बताया जा रहा है कि इससे आहत शिक्षिका ने इस्तीफा देने की बात कही और संस्था को अपना त्यागपत्र भी सौंप दिया।

अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

घटना की जानकारी फैलने के बाद हिंदू समाज के लोग स्कूल पहुंचे और प्राचार्य के कथित रवैये पर नाराजगी जताई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस भी हुई। स्थिति को शांत करने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी एसके दीप और थाना प्रभारी शिवानंद तिवारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने संबंधित पक्षों से बातचीत कर मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की अपील की। विरोध जता रहे लोगों का आरोप है कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में भेदभावपूर्ण रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि शिक्षिका की धार्मिक मान्यता और पहनावे को लेकर इस तरह की आपत्ति से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। हालांकि, प्राचार्य के पक्ष और घटना के सभी तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

ब्लॉक कॉलोनी में 36 वर्षों से बैठाई जा रही नवरात्रि पर मां दुर्गा की प्रतिमा



हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

नगर के ब्लॉक कॉलोनी में पिछले 36 वर्षों से लगातार नवरात्र पर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की गौरवशाली परंपरा निभाई जा रही है। यह आयोजन स्थानीय निवासियों की गहरी आस्था, एकजुटता और अटूट भक्ति का जीवंत प्रतीक बन चुका है। ब्लॉक कॉलोनी के सभी नागरिकों और समिति के सदस्यों के आपसी सहयोग से हर साल इस भव्य उत्सव का आयोजन सफलता के साथ किया जा रहा है।

गौरतलब है कि नगर की सबसे पुरानी दुर्गोत्सव समितियों में शामिल ब्लॉक कॉलोनी की सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति द्वारा अनवरत बीते 36 वर्षों से शारदीय नवरात्र पर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा बनाकर स्थापित की जाती रही है। इस वर्ष भी मां भगवती पंडाल में धूमधाम के साथ विराजमान हुई हैं। यहां विद्वान पंडित विजय कर द्वारा दुर्गा सप्तशती के 13 अध्यायों का पाठ प्रतिदिन किया जा रहा है। सुबह-शाम मां की महाआरती संपन्न होती है, जिसके बाद महिला मंडली की सामूहिक टीम द्वारा मां के भजन-कीर्तन का गायन किया जाता है।

18 अक्टूबर को अष्टमी तिथि पर सुबह विशेष पूजा संपन्न की जाएगी, जिसे मध्य रात्रि संध्या पूजा कहा जाता है। 19 अक्टूबर को नवमीं तिथि पर कन्या पूजन, कन्या भोज, हवन एवं भंडारे के प्रसाद का वितरण होगा।

समिति के सदस्यों ने बताया कि आज से 36 वर्ष पहले, वर्ष 1990-91 में इसी कॉलोनी में रहने वाले युवक कमलेश ठाकुर ने मां दुर्गा की प्रतिमा अपने हाथों से बनाई थी। उक्त प्रतिमा को उस वर्ष नवरात्र में स्थापित कर पूजा-पाठ किया गया था। तभी से लगातार कॉलोनी में दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा चल पड़ी, जो आज भी शिद्दत से निभाई जा रही है। जिस जगह पर प्रतिमा स्थापित होती है, उस स्थान का नाम भी दुर्गा चौक पड़ गया है।

नगर की ब्लॉक कॉलोनी की दुर्गोत्सव समिति सबसे पुरानी है। समिति के सदस्यों का कहना है कि चाहे समय कितना भी विपरीत रहा हो, आर्थिक हालात ठीक रहे हों या नहीं, लेकिन नवरात्र पर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने का कार्य किसी भी वर्ष नहीं रुका है। मां दुर्गा देवी की ही कृपा रही है, जिसके चलते हम लोगों ने इस परंपरा को जारी रखा है और यह परंपरा अब अपने 36वें वर्ष के पड़ाव पर पहुंच चुकी है। उम्मीद है कि आने वाली पीढ़ी भी इसे निरंतर आगे जारी रखेगी।

बाढ़ प्रभावित किसानों की मांगों पर छह दिन का अल्टीमेटम, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोंड



इंद्रावती और नारंगी नदी में आई बाढ़ तथा अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों एवं ग्रामीण परिवारों की समस्याओं को लेकर बुधवार को तहसीलदार बस्तर के माध्यम से मुख्यमंत्री, कलेक्टर बस्तर और एसडीएम बस्तर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के जरिए प्रभावित ग्रामीणों ने मांगों पर कार्रवाई के लिए प्रशासन को छह दिवस का अल्टीमेटम दिया है।

जनपद पंचायत बस्तर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बोदरा, भैंसगांव, खोटलापाल और रोतमा में बाढ़ एवं अतिवृष्टि से कृषि भूमि, फसलों और मकानों को नुकसान पहुंचा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रभावित क्षेत्रों में राजस्व विभाग द्वारा अब तक मौके पर पहुंचकर फसल क्षति का समुचित स्थलीय निरीक्षण एवं सर्वे नहीं किए जाने से किसानों में निराशा और आक्रोश है। समय पर क्षति का आकलन और मुआवजा नहीं मिलने से प्रभावित परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। ज्ञापन में आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल सर्वे, पात्र किसानों को मुआवजा, फसल बीमा से वंचित किसानों के लिए विशेष राहत और कृषि ऋण माफी की मांग की गई है। इसके साथ ही मकान क्षति सहायता राशि में वृद्धि की मांग भी रखी गई है। ग्रामीणों ने आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की सहायता राशि 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये तथा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की सहायता राशि 1.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपये करने की मांग की है। ज्ञापन में प्रशासन से छह दिवस के भीतर सर्वे की प्रगति, पात्र हितग्राहियों की सूची और राहत राशि वितरण की समय-सीमा स्पष्ट करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर वे अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे। इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, जनपद पंचायत सदस्य चईत राम कश्यप, ग्राम पंचायत सरपंच कचरु कश्यप, मदन बघेल, नरसिंह बघेल, बलराम भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बाढ़ पीड़ित परिवारों की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र सर्वे कर उचित मुआवजा और राहत उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके।

सेतु संभाग की नई एसडीओ बनीं नीता जोशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



■ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर रहेगा जोर

लोक निर्माण विभाग के सेतु संभाग जगदलपुर में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) के पद पर श्रीमती नीता जोशी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वे लोनिवि के ईएनसी कार्यालय रायपुर से स्थानांतरित होकर जगदलपुर पहुंची हैं। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में चल रहे पुल-पुलियों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने की बात कही। श्रीमती जोशी ने बताया कि सेतु संभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन ब्रिज के कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का जायजा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित ठेकेदारों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

महतारी वंदन योजना से बेटी की भविष्य गढ़ रही प्रमिला

गीदम। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियों के माध्यम से आमजन को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम बोदली की रहने वाली प्रमिला पोटामी ने बताया कि महतारी वंदन योजना से हर माह 1 हजार की राशि उनके खाते में आ रही है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली इस राशि का उपयोग वह अपनी बेटी के भविष्य को संवारने में कर रही है। विमला आगे बताती है कि बेटी के नाम से उन्होंने सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है और सरकार से मिलने वाली इस मदद को हर माह बेटी के नाम पर सुकन्या समृद्धि खाते में जमा कर रही है।

प्रमोद बने छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रांतीय संगठन सचिव

गीदम। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ ने कुआकोंडा विकासखंड में कार्यरत खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया को प्रांतीय संगठन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी है।



संघ के प्रांतीय अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने 10 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें यह दायित्व प्रदान किया। उनकी नियुक्ति से जिले के शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। प्रमोद भदौरिया वर्तमान में विकासखंड कुआकोंडा में खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। प्रांतीय संगठन सचिव के रूप में वे संगठन की गतिविधियों के संचालन और संगठन को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं शैलेश सिंह और कुलदीप सिंह चौहान ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। जिले के समस्त पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने विश्वास जताया कि प्रमोद भदौरिया अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे तथा संगठन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शक्ति की भक्ति में डूबा मद्देड़, चहुंओर गूंज रहे माता के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़



शारदीय नवरात्रि के इन पावन और मंगलकारी दिनों में मद्देड़ ग्राम पूरी तरह से भक्तिमय और ऊर्जा से सराबोर हो गया है। मद्देड़ ग्राम में मां दुर्गा की महिमा की धूम है। मां दुर्गा की स्थापित भव्य पंडाल और मंदिर में मां शेरावाली की आराधना का सिलसिला पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ जारी है।

मद्देड़ के दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा इस वर्ष बेहद मनमोहक और भव्य पंडालों का निर्माण किया गया है। मंदिर और पंडाल को रंग-बिरंगी झालरों, आकर्षक कलर लाइटों और फूलों से बहुत ही खूबसूरती से सजाया गया है। रात के समय जब ये रंग-बिरंगी लाइटें जगमगाती हैं, तो पूरा मद्देड़ ग्राम क्षेत्र ग्रामीण अंचल अलौकिक प्रकाश से न्हया उठता है, जिसे देखने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है।

पंडाल और मंदिर में सुबह से लेकर देर रात तक धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चल रहा है। वेदमंत्रों के उच्चार और शंख-घंटियों की गूंज के साथ मां दुर्गा के नित्य पूजन, अभिषेक और हवन संपन्न हो रहे हैं। इन चार-पांच दिनों में श्रद्धालुओं की अपार श्रद्धा देखने को मिल रही है। सुबह की मंगल आरती से लेकर संध्या आरती तक भक्तों का तांता लगा रहता है। मां दुर्गा के दर्शन के लिए मद्देड़ में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या युवा-युवतियां सभी में मां के दर्शन की गहरी ललक दिखाई दे रही है। कतारबद्ध होकर श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते हैं और माता रानी के दरबार में माथा टेककर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और शांति के लिए आशीर्वाद मांग रहे हैं। माता के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा है। पूजा-अर्चना और दर्शन के पश्चात समितियों और श्रद्धालुओं द्वारा लगातार प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। इस आयोजन से न केवल धार्मिकता बढ़ रही है, बल्कि आपसी भाईचारा, मेलजोल और सामाजिक सौहार्द का एक अनूठा दृश्य भी देखने को मिल रहा है।

मां दुर्गा के दरबार में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, सात दशकों से अखंड परंपरा का निर्वहन

चार राज्यों की आस्था का संगम बना कोंटा का माणिकेश्वर शिवालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा



आस्था जब परंपरा से जुड़ती है, तो वह केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पीढ़ियों की श्रद्धा, विश्वास और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बन जाती है। छत्तीसगढ़ के दक्षिणी छोर पर स्थित सुकमा जिले के सीमावर्ती नगर कोंटा में इन दिनों ऐसा ही भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। यहां स्थित प्राचीन श्रीश्रीश्री माणिकेश्वर शिवालय में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। लगभग 70 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा आज भी उसी आस्था और उत्साह के साथ कायम है। मंदिर में विराजमान मां दुर्गा के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ सहित ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मां के जयकारों से मंदिर परिसर और आसपास का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। कोंटा का माणिकेश्वर शिवालय केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्र की आस्था और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यहां नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना की परंपरा करीब सात दशक पुरानी है। समय बदला, पीढ़ियां बदलीं और नगर का विस्तार हुआ, लेकिन मंदिर से जुड़ी श्रद्धा और धार्मिक परंपरा आज भी कायम है। स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए यह मंदिर विश्वास, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। नवरात्रि के दिनों में सुबह से ही भक्त दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने लगते हैं। परिवारों के साथ आने वाले श्रद्धालु मां दुर्गा के समक्ष सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और क्षेत्र की मंगलकामना के लिए प्रार्थना करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, सच्चे मन से मां के दरबार में मांगी गई मुराद पूरी होती है। इसी अटूट विश्वास के कारण दूर-दराज के गांवों और पड़ोसी राज्यों से भी भक्त यहां पहुंचते हैं।

चार राज्यों के श्रद्धालुओं को जोड़ती है मां की भक्ति

कोंटा की भौगोलिक स्थिति इसे धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष बनाती है। छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सीमावर्ती क्षेत्रों से लोगों का यहां आना-जाना लगा रहता है। नवरात्रि के अवसर पर यही भौगोलिक निकटता श्रद्धा के साझा उत्सव का रूप ले लेती है। माणिकेश्वर शिवालय में मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आते हैं, लेकिन मां के प्रति उनकी आस्था सभी को एक सूत्र में बांधती है। मंदिर परिसर में दिखाई देने वाली भक्तों की आवाजाही इस बात का प्रतीक है कि धार्मिक परंपराएं सीमाओं से परे लोगों को जोड़ने का काम करती हैं। कोंटा का यह आयोजन क्षेत्र की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूती प्रदान करता है। नवरात्रि के दौरान पूरा नगर भक्ति के रंग में रंगा नजर आता है।

रावण दहन रहेगा मुख्य आकर्षण

नवरात्रि के समापन के साथ ही विजयादशमी को लेकर नगर में उत्साह बढ़ गया है। दशहरा उत्सव के दौरान विभिन्न पौराणिक पात्रों और देवी-देवताओं के स्वरूप में सजी भव्य झांकियां निकाली जाएंगी। पारंपरिक वेशभूषा, धार्मिक प्रस्तुतियों और उत्सवी माहौल के बीच निकलने वाली झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

जिला स्तरीय सब जूनियर नेटबॉल चयन स्पर्धा

बस्तर। नेटबॉल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जूनियर आयु वर्ग के लिए जिला स्तरीय नेटबॉल चयन प्रतियोगिता का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे जिले से आए बड़ी संख्या में नन्हे खिलाड़ियों ने चयन के लिए मैदान पर अपना शानदार दमखम और खेल कौशल दिखाया।यह महत्वपूर्ण प्रतियोगिता डी.ए.वी. करमरी, बस्तर के खेल मैदान में आयोजित हुई। यहां चयनित होने वाले खिलाड़ी धमतरी में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता में बस्तर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न कराने में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के प्राचार्य त्रिभुवन साहू एवं नेटबॉल प्रशिक्षक नंद कुमार साहू की उपस्थिति रही।







विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप



कोयलीबेड़ा में रासेयो ने निकाली नशामुक्ति रैली

कोयलीबेड़ा। नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने और नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से बुधवार, 14 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोयलीबेड़ा में नशामुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली को विद्यालय के प्राचार्य एसके जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से नशे की आदतों से दूर रहने तथा परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की। विद्यालय परिसर से शुरू हुए इस जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। विद्यालय प्रबंधन ने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना और जनसेवा की भावना विकसित करने का माध्यम बताया।

एनएमएमएस की परीक्षा के लिए लगेंगी विशेष कक्षाएं

कांकेर। राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएस) परीक्षा 2026-27 की तैयारी के लिए जिले के विद्यालयों में विशेष कक्षाएं लगाई जाएंगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर पात्र विद्यार्थियों की पहचान कर नियमित अभ्यास और साप्ताहिक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। परीक्षा 12 दिसंबर को होगी। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर निर्धारित है। परीक्षा में मानसिक योग्यता और शैक्षिक योग्यता के दो प्रश्नपत्र होंगे। शिक्षा विभाग ने सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान, मर्ग कायम

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत पिच्चेकट्टा निवासी 55 वर्षीय भावती उईके पति सखाराम 12 अक्टूबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृतिका ने मिचचालपारा पिच्चेकट्टा के शमशानघाट की ओर पेड़ में प्लास्टीक रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

प्रयास की 228 सीटों पर 16 को ओपन काउंसिलिंग

कांकेर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं के प्रवेश के लिए 16 अक्टूबर को चतुर्थ ओपन काउंसलिंग होगी। इसमें 228 रिक्त सीटों पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। काउंसलिंग सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन में होगी। विद्यार्थियों को कक्षा आठवीं में 60 प्रतिशत अंक, जाति सहित आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

ग्राम पंचायतों को बांटी कचरा रिक्शा घटिया, शिकायत पर कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजुर



गांवों को स्वच्छ बनाने और घर-घर से कचरा संग्रहण की व्यवस्था मजबूत करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में कचरा रिक्शा वितरित किए जा रहे हैं, लेकिन इनकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। पखांजुर क्षेत्र के बांदे ग्राम पंचायत में वितरित कचरा रिक्शों की हालत देखकर पंचायत प्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि रिक्शों में बेहद पतली टीन की चादर लगाई गई है और कई के टायर पंचर हैं। ऐसे में इन रिक्शों से कचरा संग्रहण करना तो दूर, इन्हें चलाना भी मुश्किल होगा।

बांदे पंचायत के जनप्रतिनिधियों के अनुसार, रात में एक वाहन से कचरा रिक्शे लाए गए और फोन कर पंचायत के पास स्थित दुकान में उतारकर वाहन चालक चला गया। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि वितरण से पहले उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई और न ही पंचायत से कोई प्रस्ताव लिया गया। सुबह रिक्शों की स्थिति देखने पर उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे। बांदे के उपसरपंच परिमल हालदार ने कहा कि पंचायत को दिए गए रिक्शों की गुणवत्ता बेहद खराब है। इनमें लगी चादर बहुत पतली है और कचरा भरने पर एक-दो दिन में ही खराब होने की आशंका है। कई रिक्शों के टायर पंचर हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत को वितरण की पूर्व सूचना तक नहीं दी गई। रात में वाहन आया और रिक्शे उतारकर चला गया। वार्ड पंच हरिदास मल्लिक ने भी रिक्शों की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पहले दिए गए रिक्शे बेहतर थे, लेकिन इस बार दिए गए रिक्शे उपयोग के लायक नहीं हैं। पतली चादर और खराब टायर के कारण इनका इस्तेमाल करना मुश्किल है। घर-घर से कचरा उठाने और गलियों की सफाई के लिए दिए गए रिक्शे यदि शुरुआती दौर में ही खराब होने लगें, तो स्वच्छता अभियान का उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। पंचायत प्रतिनिधियों ने वितरण करने वाली एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए संबंधित विभाग से मामले की जांच कराने और गुणवत्तापूर्ण रिक्शे उपलब्ध कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इन शिकायतों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का तूफान, समुद्र पर उठती नौ मीटर ऊंची लहर में भी साहस नहीं छूटा

नौसेना की पूर्व अधिकारी ने सुनाए रोमांचक अनुभव, एसएसबी चयन की प्रक्रिया बताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

रूबरू कार्यक्रम में स्वाति पत्तरापल्ली ने विद्यार्थियों को सिखाया साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम



समुद्र की ऊंची लहरें, 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती तूफानी हवाएं और शून्य से नीचे का तापमान भी जब हौसले को डिगा नहीं सके, तो यह साहस, अनुशासन और टीम पर विश्वास की ताकत का प्रमाण बन जाता है। भारतीय नौसेना के पाल पोत आईएनएसवी तारिणी से विश्व की समुद्री परिक्रमा करने वाली सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कमांडर स्वाति पत्तरापल्ली ने अपने इन्हीं रोमांचक अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, चुनौतियों का डटकर सामना करने और राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहने का संदेश दिया। अवसर था सरंगपाल स्थित जेपी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित विशेष संवादात्मक कार्यक्रम रूबरू का जिसमें कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। करियर ड्रोम द्वारा प्रस्तुत इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरक व्यक्तित्वों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान करना था।

आत्मविश्वास बढ़ाने और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी

विद्यालय के प्राचार्य रितेश कुमार चौबे ने कहा कि ऐसे संवादात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने स्वाती पत्तरापल्ली के साहस, उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति समर्पण को विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के लिए प्रेरणादायक बताया। विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष ज्योति गिदवानी, निदेशक शंकर गिदवानी और शैक्षणिक सलाहकार गोविंद मुदलियार ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ अनुशासन, राष्ट्रप्रेम, साहस, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों से जोड़ना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक दिव्यानी भुजबल की भूमिका रही। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और संगीत विभाग ने भी सहयोग दिया। समापन अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से स्वाती पत्तरापल्ली को शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने कहा कि इस संवाद से उन्हें देशसेवा, अनुशासन और अपने भविष्य के लक्ष्यों के प्रति नई प्रेरणा मिली।

कार्यक्रम में भारतीय नौसेना की पूर्व अधिकारी स्वाती पत्तरापल्ली मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं। विद्यालय परिसर में उनके आगमन पर प्रशासकों, समन्वयकों और सैनिक विंग की टुकड़ी ने सैन्य सम्मान के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद सभागृह में आयोजित समारोह में उनका अभिनंदन किया गया। स्वाती पत्तरापल्ली भारतीय नौसेना के ऐतिहासिक 'नाविका सागर परिक्रमा' अभियान के छह सदस्यीय महिला चालक दल का हिस्सा रही हैं। इस अभियान के दौरान दल ने आईएनएसवी तारिणी पर सवार होकर 254 दिनों में संपूर्ण विश्व की समुद्री परिक्रमा की थी। अभियान में सात समंदर पार करने, दो बार भूमध्य रेखा को पार करने और तीन चुनौतीपूर्ण अंतरीपों से गुजरने जैसे कठिन अनुभव शामिल रहे। इस दौरान दल को माइनस पांच डिग्री सेल्सियस से लेकर 40 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान, 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं और लगभग नौ मीटर ऊंची समुद्री लहरों का सामना करना पड़ा।

सेवा सेतु शिविर में हितग्राहियों को दी पक्के आवासों की चाबी



कांकेर। हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना पक्का घर हो, जहां वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सके। शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण जरूरतमंद परिवारों के इस सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम आमाबेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय सेवा सेतु शिविर में आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को उनके पक्के घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। वर्षों से अपने पक्के घर का सपना संजोए हितग्राहियों के लिए यह पल खुशियों और संतोष से भरा रहा। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम आमाबेड़ा निवासी नरेन्द्र वैद्य एवं भवन सिंह नाग, ग्राम सोड़े निवासी बुद्धदेव पटेल, ग्राम बड़ेतेवड़ा निवासी रतउ राम एवं कुमारी बाई तथा ग्राम बेलोण्डी निवासी गणेश जैन को आवास निर्माण पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चाबी सौपी गई। अपने पक्के आवास की चाबी पाकर हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अब वे अपने परिवार के साथ पक्के घर में सुरक्षित एवं बेहतर जीवन व्यतीत कर सकेंगे। हितग्राहियों ने कहा कि पक्का मकान प्रत्येक परिवार की बुनियादी जरूरत है। शासन की इस योजना से उनका वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा सेतु शिविर शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बना। शिविर के जरिए विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को मौके पर लाभान्वित किया गया।

गौ सेवा आयोग की जिला बैठक में नौ गोधाम के संचालन की अनुशंसा



कांकेर। गौ सेवा आयोग कांकेर के जिला स्तरीय समिति की बैठक मंगलवार को गौ सेवा आयोग कांकेर के जिला अध्यक्ष सोनसाय साहू की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले के नौ गोधामों के सुचारू संचालन के लिए पंजीयन कराने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग को प्रस्ताव प्रेषित करने की अनुशंसा की गई।

चारामा विकासखण्ड के अंतर्गत नगर पंचायत चारामा, ग्राम भानपुरी एवं लखनपुरी, कांकेर विकासखण्ड के ग्राम नवागांव भावगीर, गढ़ पिछवाड़ी एवं बेवरती, विकासखण्ड भानुप्रतापपुर के नगर पंचायत भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के ग्राम तराई घोटिया और लोहत्तर इत्यादि नौ गौठान शामिल है। बैठक में गौ सेवा आयोग के संबंधित पदाधिकारियों तथा अधिकारियों ने गौठानों के व्यवस्थित संचालन और गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, जिला पंचायत उपाध्यक्ष तारा ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष उत्तम यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र क्षत्रिय,अरुण ठाकुर एवं उत्तम साहू, विकासखंड स्तरीय समिति गौ सेवा आयोग कांकेर के अध्यक्ष भावेश आरदे तथा चारामा विकासखंड स्तरीय समिति के अध्यक्ष रूपलाल साहू सहित पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक उपस्थित रहे।

फसल बीमा राशि और किसान न्याय योजना के किस्त के लिए निकाली रैली

कोयलीबेड़ा। फसल में कीट प्रकोप से हुए नुकसान की बीमा राशि और राजीव गांधी किसान न्याय योजना की लंबित किस्तों को लेकर किसानों की नाराजगी सामने आई है। अपनी मांगों को लेकर 18 पंचायतों के किसानों ने कोयलीबेड़ा के बाजार स्थल से तहसील कार्यालय तक रैली निकाली। तहसील कार्यालय के सामने रैली सभा में तब्दील हो गई, जहां जनप्रतिनिधियों और वक्ताओं ने किसानों की समस्याओं को उठाते हुए जल्द निराकरण की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल किसानों ने कहा कि फसलों में कीट प्रकोप के कारण उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। खेती में खाद, बीज, कीटनाशक और अन्य कृषि सामग्री की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में फसल खराब होने से किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि नुकसान के बावजूद अब तक उन्हें फसल बीमा राशि नहीं मिल पाई है, जिससे आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं। सभा में राजीव गांधी किसान न्याय योजना की लंबित किस्तों को लेकर भी नाराजगी जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता किसानों के लिए खेती-किसानी और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। किस्तों के भुगतान में देरी से किसानों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रैली के बाद किसानों ने तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर कीट प्रकोप से फसल नुकसान का उचित आकलन कराने, पात्र किसानों को बीमा राशि का भुगतान करने और राजीव गांधी किसान न्याय योजना की लंबित किस्तें जारी करने की मांग की। किसानों ने प्रशासन से समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर राहत प्रदान करने की अपील की।

पुलिस ने अभिव्यक्ति ऐप व हेल्पलाइन की आत्मानंद के छात्रों को दी जानकारी

विद्यार्थियों ने यातायात नियमों के पालन करने की ली शपथ



दुर्गूकोंदल। महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से पीएमश्री शासकीय स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय दुर्गूकोंदल में बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांकेर पुलिस की महिला रक्षा टीम, यातायात पुलिस और थाना स्टाफ ने छात्र-छात्राओं को सुरक्षा के उपायों की जानकारी देते हुए सतर्क और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम प्राचार्य अजय नेताम के नेतृत्व एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष अशोक जैन के मार्गदर्शन में हुआ।

महिला रक्षा टीम ने छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप, डायल 112, महिला हेल्पलाइन 1091 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के उपयोग के बारे में बताया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि उत्पीड़न या असुरक्षित स्थिति का सामना करने पर चुप रहने के बजाय अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस से मदद लेनी चाहिए। छोटी छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाते हुए अपने शरीर की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की समझाइश दी गई। साइबर सुरक्षा के तहत विद्यार्थियों को सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से संपर्क करने में सावधानी बरतने, निजी तस्वीरें और व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने तथा ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने, सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने और यातायात संकेतों का पालन करने पर जोर दिया गया। तेज गति और नशे की हालत में वाहन चलाने के खतरों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य अजय नेताम ने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा और विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता जरूरी है।

सोनी समाज की बैठक में एकता व विकास पर जोर



कांकेर। महुरबंदपारा स्थित समुदाय भवन में सोनी समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं ने शामिल होकर सामाजिक एकता, शिक्षा, नशामुक्ति और सामुदायिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में समाज को संगठित कर विकास की दिशा में सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक एकता ही विकास का आधार है। समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने, युवाओं को रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करने और नशे से दूर रखने के लिए प्रयास जरूरी हैं। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने की आवश्यकता बताई गई। बैठक में आगामी सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। स्वच्छता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित करने पर सहमति बनी। वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्च कम करने और आपसी सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैठक में महिलाओं और युवाओं ने भी अपने सुझाव रखे। शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर विचार साझा किए गए। इस अवसर पर अनिता सोनी, संध्या सोनी, गजेन्द्र सोनी, कमलनारायण सोनी, विष्णु सोनी, द्वारिका प्रसाद सोनी, संतोष कुमार सोनी और नोमेन्द्र कुमार सोनी सहित समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

मां दुर्गा और महाकाली की अलौकिक झांकी, बरगांव में श्रद्धालुओं का तांता

बरगांव में पटपर झांकी ने मोहा दर्शकों का मन



दुर्गूकोंदल। नवरात्र के पावन अवसर पर विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम पंचायत हाटकोंदल के आश्रित ग्राम बरगांव में आदि शक्ति दुर्गा उत्सव समिति की ओर से मंगलवार को पटपर झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां दुर्गा के नौ रूपों और महाकाली के रौद्र स्वरूप की जीवंत प्रस्तुति देखने के लिए बरगांव सहित आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में लगभग 20 से 30 हजार लोगों की भीड़ जुटी।

झांकी में कलाकारों ने मां दुर्गा और महाकाली के विभिन्न रूपों का आकर्षक अभिनय प्रस्तुत किया। डीजे की धुन और रंग-बिरंगी रोशनी के बीच कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे पंडाल में जयकारे गूंजते रहे। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संबलपुर बस्तर सेना के अध्यक्ष गौरव चोपड़ा ने कहा कि बरगांव जैसे छोटे गांव में युवाओं की समिति द्वारा इतना बड़ा और अनुशासित आयोजन करना सराहनीय है।

